

(iii) Lack of provision for drainage of water collected on the road surface between the kerb stones, particularly when the level of the roads was kept 3" below the level of the road slabs over the adjoining bridges and culverts, in order to receive an additional wearing coat of metal in due course.

(c) The work of rectifying the defects has already been undertaken by the contractors at their own cost. The findings of the Chief Technical Examiner are under detailed examination with a view to fixing the responsibility of the various officers as well as the contractors for the defects mentioned above.

Supply of Arms by U.S.A. to Pakistan

*1605. Shri U. C. Patnaik: Will the Prime Minister be pleased to state:

(a) whether the Government of India are aware of the particulars of superior weapons supplied to Pakistan by U.S.A.; and

(b) if so, the details thereof?

The Deputy Minister of External Affairs (Shrimati Lakshmi Menon):

(a) Government of India do not have particulars of superior weapons supplied by U.S.A. to Pakistan.

(b) Does not arise.

मध्य प्रदेश में कागज की मिलें

*१६०६. श्री जांढे : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय सरकार को मध्य प्रदेश सरकार अथवा गैर-सरकारी लोगों की ओर से मध्य प्रदेश में इटारसी और बिलासपुर में साधारण कागज बनाने के लिये कारखाने स्थापित करने के हेतु प्रार्थनापत्र मिले हैं ; और

(ख) यदि हाँ, तो क्या उन पर कोई कार्यवाही की गई है ?

वाणिज्य तथा उद्योग उपमंत्री (श्री सतीशचंद्र): (क) और (ख). एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है।

विवरण

कलकत्ते के मैसर्स ग्रोरिएन्ट पेपर लिमिटेड लि० ने १९५१ के उद्योग (विकास तथा नियमन) अधिनियम के अधीन बिलासपुर के पास १८,००० टन कागज और गत्ता प्रतिवर्ष बनाने का एक नया कारखाना खोलने के उद्देश्य से लाइसेंस प्राप्त करने के लिये १८ दिसम्बर, १९५७ को एक प्रार्थना पत्र दिया था। लाइसेंस देने वाली समिति ने इस पर ३० जुलाई, १९५८ को विचार किया और इसे अस्वीकार कर देने की सिफारिश की क्योंकि यह फर्म बिलासपुर में लुग्दी बनाने की योजना क्रियान्वित करने में सन्तोषजनक प्रगति नहीं कर सकी थी। लेकिन समिति ने सुझाव दिया है कि यदि यह फर्म चाहे तो ६ महीने बाद फिर नये प्रस्ताव पेश कर सकती है। ११ सितम्बर, १९५८ को इस प्राथमिक के निर्णय की सूचना फर्म के पास भेज दी गई है। इटारसी में कागज का कारखाना स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं आया है।

Export of Iron Ore

*1606-A. Shri Panigrahi: Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to lay a statement showing:

(a) the total quantity of iron ore exported from the Sukinda mines in Orissa during 1956-57, 1957-58 and 1958-59 so far;

(b) the quantity of iron ore contracted to be exported from the Sukinda mines annually by the State Trading Corporation of India (Private) Ltd.; and

(c) the quantity of iron ore contracted to be exported through the private agencies from the Sukinda Iron Ore Mines?

The Deputy Minister of Commerce and Industry (Shri Satish Chandra):

(a) 1956-57 53,710 tons on State Trading Corporations account.
 1957-58 2,73,700 tons
 1958-59 63,000 tons
 (till end of August) (Year from 1st July to 30 June)

(b) It will not be in the business interest of the State Trading Corporation to disclose the information.

(c) From 1st July 1957, iron ore is exported only on State Trading Corporation's account.

राजस्थान में खादी बुनकर

*१६०७. श्री प० सा० बाबूपाल : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान में ग्रामोद्योग और खादी उद्योगों में काम करने वाले बुनकरों को अपने उत्पादन केन्द्रों द्वारा तैयार की गई खादी तथा कपड़ा बेचने के लिये अखिल भारतीय खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड और चर्खा मंच प्रमाण-पत्र नहीं दे रहे हैं ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) क्या सरकार जानती है कि हजारों की संख्या में कतवारी और बुनकर इस कारण बेकार हो गये हैं ?

वाणिज्य तथा उद्योग उपमंत्री (श्री सतीश चन्द्र) : (क) और (ख) जी, हां। काफी अरसे से चली आ रही परम्परा के अनुसार खादी तथा ग्रामोद्योग कमीशन की प्रमाण-पत्र देने वाली समिति अलग अलग बुनकरों को प्रमाण-पत्र नहीं देती। ये प्रमाण-

पत्र उन सोसायटियों, ट्रस्टों आदि को दिये जाते हैं जो कमीशन द्वारा निर्धारित नियमों तथा शर्तों का पालन करते हैं।

(ग) यह बात सरकार के ध्यान में नहीं आई गई। लेकिन अगर ये कतवारी और बुनकर प्रमाणित संस्थाओं से अपना सम्बन्ध जोड़ लें तो उन्हें काम मिलेगा और ग्राम सुविधायें भी मिलेंगी, जैसे कि हुई मिलना और उनका काता हुआ सूत निर्धारित मजदूरी देकर लिया जाना।

Allotment of Raw Films

*1608. Shri P. C. Borooah: Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state:

(a) whether any special consideration is given in the matter of allotment of raw films for the production of films in regional languages which are not so much developed like Assamese and Oriya;

(b) if so, the nature thereof; and

(c) the number of permits issued in 1958 for films in Assamese and Oriya languages?

The Deputy Minister of Commerce and Industry (Shri Satish Chandra):
 (a) and (b). Applications for allotment of raw films for pictures in such regional languages are considered on ad hoc basis.

(c) Precise information for the year 1958 is not available. However, three permits for Assamese films and four for Oriya films have been issued since the distribution of raw films has been regulated.

Hindustan Motors Limited, Calcutta

*1609. Shri Subiman Ghose: Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to refer to the reply given to Short Notice Question No. 17 on the 29th April, 1958 and state:

(a) the number of trucks and buses manufactured by M/s. Hindustan